QP CODE **Enrollment Number: ……**

T5027 **Name: ……**

MA DEGREE EXAMINATIONS, MAY 2024

First Semester

M.A. Hindi Language and Literature

M23HD02DC – प्राचीन और मध्यकालीन हिन्दी काव्य

(2023 July admissions)

Time: 3 Hours **Max Marks: 70**

Section A

किन्हीं पांच प्रश्नों का उत्तर दो या दो से अधिक वाक्यों में लिखिए।

1. नाथ साहित्य का परिचय दीजिए ।
2. कबीरदास और जायसी कौन -कौन सी शाखाओं के कवि थे ?
3. "जाके मुँह माथा नहीं, नही रूप कुरूप | पुहुप बॉस ते पातरा ऐसा तत अनूप" - आशय स्पष्ट कीजिए ।
4. 'मृगावती' का परिचय दीजिए ।
5. अष्टछाप ।
6. तुलसीदास के किन्हीं चार रचनाओं के नाम लिखिए ।
7. रीतिकाल का वर्गीकरण कितने भागों में किया है ?उनके नाम क्या क्या है ?
8. भूषण का परिचय दीजिए ।

(2X5=10)

Section B

किन्हीं छ:प्रश्नों का उत्तर एक पृष्ठ के अन्दर लिखिए।

9. भक्ति आन्दोलन के विकास पर चर्चा कीजिए।
10. "कस्तुरी कुंडली बसी मृग ढूंढे वन मांही
    ऐसे घटी घटी राम है,दुनिया देखे नाही|" सप्रसंग व्याख्या कीजिए।
11. "कातिक सरद-चंद उजियारी । जग सीतल, हौं बिरहै जारी ॥
    चौदह करा चाँद परगासा । जनहुँ जरैं सब धरति अकासा ॥
    तम मन सेज करै अगिदाहू । सब कहँ चंद, खएउ मोहिं राहू ॥
    चहूँ खंड लागै अँधियारा । जौं घर नाहीं कंत पियारा ॥
    अबहूँ, निठुर! आउ एहि बारा । परब देवारी होइ संसारा ॥

सखि झूमक गावैं अँग मोरी । हौं झुरावँ, बिछुरी मोरि जोरी ॥
जेहि घर पिउ सो मनोरथ पूजा । मो कहँ बिरह, सवति दुख दूजा।" सप्रसंग व्याख्या कीजिए ।

12. हिंदी राम काव्य परम्परा का परिचय दीजिए ।
13. विद्यापति का परिचय दीजिए |
14. हिंदी के प्रमुख सूफी कवियों का परिचय दीजिए ।
15. "प्रथम जाई जिन वाच सुनाए |भुवन बसन भूरी तिन्ह पाए ||
प्रेम पुलक तन मन अनुरागी |मंगल काल्स सजन सब लागी ||
चौंके काहरू सुमित्रा पूरी |मनिमय विविध भांति अति रूरी ||
आनन्द मग्न राम महतारी |दिए दान बहुत विप्र हँकारी ||
पूजी ग्रामदेवी सुर नागा |कहेऊ बहोरी देन बलिभागा ||
जेहि बिधि होई राम कल्यानु|वेहू दया करि सो वरदानू ||
गवही मंगल कोकिलबयनी |बिधुबदनी मृगसावकनयनी ||
दो राम राज अभिषेक सुनि हिये हर्षे नर नारी ||
लगे सुमंगल सजन सब विधि अनुकूल विचारी ||" सप्रसंग व्याख्या कीजिए
16. "अंखियां हरि–दरसन की प्यासी
देख्यौ चाहति कमलनैन कौ, निसि–दिन रहति उदासी
आए ऊधौ फिरि गए आंगन, डारि गए गर फांसी
केसरि तिलक मोतिन की माला, वृन्दावन के बासी
काहू के मन को कोउ न जानत, लोगन के मन हांसी
सूरदास प्रभु तुम्हरे दरस कौ, करवत लैहौं कासी||" सप्रसंग व्याख्या कीजिए
17. "तो पर बासू उरबसी, सुनी राधिके सुजान
तू मोहन के उर बसी है उरबसी समान ||" सप्रसंग व्याख्या कीजिए
18. टिपण्णी लिखिए -कबीरदास

(5X6=30)

Section C

किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए।प्रत्येक उत्तर तीन पृष्ठ के अंतर्गत हो।

19. संत काव्य परम्परा पर चर्चा कीजिए ।
20. हिंदी कृष्ण भक्ति काव्य परम्परा पर आलोचनात्मक निबन्ध लिखिए ।
21. रीतिकालीन काव्य ।
22. निर्गुण भक्तिधारा और कबीरदास ।

(15X 2=30)